हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 6 जून, 2025

11 पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करती है प्राण वायु...

12 शिव पर्यावरण दिवस पर अनेक संगठनों ने किया ...

Gopal OPTICALS
See Better Vision With Us
Eye Care Centre
सुविधाएं / Facilities
- सफेद मोतिया बिन्द का फेको विधि द्वारा लेंस प्रत्यारोपण बिना चीरा टांका दर्द (Cataract)
- काला मोतिया की जांच व ऑपरेशन (Glaucoma Clinic)
- पर्दे की जांच व ऑपरेशन (Retina Clinic)
- फ्री आँखों की जांच।
- लेसिक लेजर द्वारा चश्मे हटाऐ (Lasik Laser)
- माशपेशियों की जांच व Vision Theraphy
- आंखो की ऑपरेशन के बाद आई झिल्ली हटाएं (Yag Laser)
- पुतली की जांच व ईलाज (Cornea Clinic)

आप सभी को नेशनल आईवियर-डे की हार्दिक शुभकामनाएँ

Shop No. 10, Opposite Crown Plaza, Bhiwani, Haryana-127021 9896776999

खबर संक्षेप

जयपुर से आने वाली ट्रेन का किया स्वागत

बवानीखेड़ा। जयपुर से चलकर हिसार जाने वाली गाड़ी नंबर 14716 के बवानी खेड़ा में ठहराव होने पर बनवारी लाल, रामकिशन, राजा, सुरेंद्र, सुरेश, राजवीर आदि ने स्वागत किया और बताया कि पहले यात्री बालाजी के दर्शन करने पश्चात भिवानी रेलवे स्टेशन पर उतरते थे और बवानी खेड़ा आने के लिए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यात्रियों को बवानी खेड़ा में गाड़ी के ठहराव होने के कारण सुविधा मिलेगी. सभी ने रात्रि 2:11 से लेकर 2:13 तक रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर होली का स्वागत किया।

चोरी मामले में दूसरा आरोपी को गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने व्यक्ति की अंगूठी चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। केदारनाथ निवासी आजाद मोहल्ला भिवानी ने चोरी की शिकायत दर्ज करवाई थी। इसी मामले में सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उप निरीक्षक रामबीर ने अंगूठी चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान बलिंदर करनाल हाल निवासी इंदिरा कॉलोनी भिवानी के रूप में हुई है।

आज मनाया जाएगा राज्यभिषेक दिवस

भिवानी। हिंद स्वराज्य के संस्थापक और मुगलों को अटक से कटक तक धूल चटाने वाले मराठी संस्कृति को 96 कुटुंब में समाया रखने वाले धनुषधारी गुरिल्ला युद्ध के जनक छत्रपति शिवाजी का राज्यभिषेक दिवस समारोह गांव देवसर में 6 जून को धनुषधारी धाणक वीर मराठा संगठन गांव देवसर द्वारा मनाया जाएगा।

मंत्री बेदी आज जाटू लोहारी में आएंगे

भिवानी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी छह जून को सुबह 11 बजे गांव जाटू लोहारी में महर्षि वाल्मीकि भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत करेंगे। उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार श्री बेदी छह जून को 11 बजे गांव जाटू लोहारी स्थित भगवान वाल्मीकी सनातन धर्म पीठ संस्था द्वारा आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत करेंगे। कार्यक्रम के आयोजक राजकुमार सारसर ने बताया कि श्री बेदी नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि मंदिर का उद्घाटन करेंगे। गांव के 10वीं व 12वीं कक्षा में मेरिट आने वाले करीब 80 बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा।

कैमरा व गाड़ी तोड़ने के मामले मे आरोपी पकड़ा

लोहारू। थाना लोहारू पुलिस ने मोबाइल दुकान संचालक के घर पर जाकर सीसीटीवी व गाड़ी तोड़ने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार मोहित निवासी लोहारू ने थाना लोहारू पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 17 मई की रात्रि को एक स्कूटी पर सवार दो व्यक्ति उनके घर के बाहर आए थे जिन्होंने उनके घर पर लगे सीसीटीवी कैमरा को तोड़ दिया था। इसके बाद गाड़ी के शीशे तोड़कर गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा था।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के दूसरे चरण का सीएम ने किया शुभारंभ

प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संकल्प लें : नायाब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने पांच इलेक्ट्रिक बसों को झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दादरी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में एक पेड़ मां के नाम अभियान के दूसरे चरण, हरित अरावली कार्य योजना एवं पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में योगदान देने के लिए एक पेड़ अवश्य लगाएं और प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने के लिए प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संकल्प लें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पांच इलैक्ट्रिक बसों को वायु प्रदूषण मुक्त के संदेश के साथ झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया था। उनका कहना था कि जितना सम्मान हम अपनी जन्म देने वाली मां को देते हैं, उतना ही सम्मान धरती माता को भी दें। केंद्र व राज्य सरकारों के सहयोग से बनाई गई हरित अरावली कार्य योजना के तहत चार राज्यों में फैले अरावली क्षेत्र को हरा-भरा बनाना है, जिसमें हरियाणा के पांच जिले सहित चारों राज्यों के 29 जिलों को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य वायु, जल व मिट्टी हर प्रकार के प्रदूषण की समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस बार के विश्व पर्यावरण दिवस का थीम प्लास्टिक मुक्त धरती है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है और हमें इसके प्रति सचेत होने की आवश्यकता है, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों को भी इससे नुकसान होगा।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए अनेक कदम भी उठाए जा रहे हैं। हरियाणा में राज्य सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक के आइटम पर बैन लगाया है। 120 एमएम की प्लास्टिक थैलियों पर भी प्रतिबंध है। कार्यक्रम में मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक सुनील सांगवान, विधायक उमेद पातुवास, नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, प्रधान मुख्य वन संरक्षण विनित कुमार गर्ग, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव टीएल सत्यप्रकाश, आईएएस विरेन्द्र सिंह, उपायुक्त मुनीश शर्मा, एसपी अर्श वर्मा, एडीसी डॉ. मुनीश नागपाल, नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर, जिला प्रभारी महेश चौहान, राजेश बंटी, डॉ. किरण कलकल व डॉ. अजय भांडवा आदि उपस्थित थे।

नौ शहरों में सिटी बस सेवा के लिए लगभग 45 बसें दी

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि रोडवेज के बेड़े में लगभग 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का लक्ष्य है। सरकार ने अपने संकल्प पत्र में 11 नगर निगमों में 375 इलैक्ट्रिक बसें देने का लक्ष्य रखा था, जिस पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इससे पहले भी नौ शहरों में सिटी बस सेवा के तहत लगभग 45 बसें दी गई। इसके अलावा वर्ष 2026 तक प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत लगभग 450 और बसें खरीदकर रोडवेज के बेड़ें में शामिल की जाएंगी। ये बसें गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, यमुनानगर, रोहतक और हिसार में भेजी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले पांच वर्षों में सरकार का लक्ष्य रोडवेज के बेड़े में लगभग 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का है, जिससे डीजल की खपत में कमी आएगी और वायु प्रदूषण भी नहीं होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बैटरी से चलने वाले वाहनों की खरीद पर सब्सिडी का भी प्रावधान किया है।

भिवानी। पानी की मांग को लेकर मांगपत्र सौंपते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

कहीं पर पेयजल को लेकर प्रदर्शन तो कहीं पर निकासी पर रोष

- भिवानी शहर व आसपास के इलाकों में पानी को लेकर हाहाकार मचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी शहर व आसपास के इलाकों में पानी को लेकर हाहाकार मचा है। कहीं बारिश से हुए जलभराव को लेकर लोगों में जबरदस्त रोष व्याप्त है तो कहीं पर पीने के पानी को लेकर शहर के लोग प्रदर्शन कर रहे है। शहर के लोगों ने पानी की समस्या से छुटकारा दिलाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग को पूरा नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। रोजाना शहर में कभी पीने के पानी को लेकर तो कभी बारिश या सीवर के पानी की निकासी को लेकर सड़को पर उतर रहे है।

समाधान शिविर में गुहार

शहर के लोहारीवाला चौक के समीप बंशीपाना तथा विद्या नगर की हनुमान गली के अंतिम छोर पर पीने के पानी की आपूर्ति नहीं होने से इन दोनों बस्तियों के लोग पिछले दो वर्ष से परेशान है। इन दोनों बस्तियों में जनसंघर्ष समिति भिवानी की ओर से समस्या के समाधान हेतु नागरिकों के प्रदर्शन भी किए जा चुके है। समिति के संयोजक व सीपीआईएम के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश भी दोनों कालोनियों के लोगों को लेकर प्रतिनिधि मंडल के तौर पर 28 मई को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता दलबीर सिंह दलाल से भी मिले थे। उन्होंने दो-तीन दिन में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, परन्तु 10 दिनों के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। इसलिए वीरवार को एक बार फिर बंशीपाना से नरेश सोनी तथा विद्या नगर हनुमान गली से संजय अहलावत के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल उपायुक्त द्वारा संचालित समाधान शिविर में जाकर प्रार्थना पत्र दिया है। समाधान शिविर में भी उनको समस्याओ के समाधान का आश्वासन मिला है। उसके बाद जनसंघर्ष समिति व दलित अधिकार मंच के नेतृत्व में इन दोनो मोहल्लों की पीने के पानी की समस्या समाधान के लिए एक प्रैस वार्ता की गई।

मंगल सिंह खरेटा की प्रतिमा का अनावरण

- बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने का काम करेगा टिकाऊ खेती प्रशिक्षण केंद्र : महेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। किसान नेता मंगल सिंह खरेटा की प्रतिमा का अनावरण करते अतिथि।

गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट एवं ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के तत्वावधान में गाय आधारित केंचुआ पद्धति की उत्तम टिकाऊ खेती आंदोलन के तहत गांव खावा स्थित किसान भवन में शहीद किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा की प्रतिमा का अनावरण कारगिल योद्धा दिगेंद्र कोबरा एवं ढुल खाप के प्रधान हरपाल ढुल ने किया।

कार्यक्रम में किसान संत स्वामी चेतानंद व मौनी बाबा तुरंतनाथ महाराज रोढ़ा का सान्निध्य रहा। वहीं गोभक्त जाट हरफूल जुलानीवाला गौशाला का उद्घाटन गांव जुलानीवाला की पंचायत एवं पटौदी भगतसिंह युवा क्लब ने किया। गौ किसान सम्मेलन किसान संत स्वामी चेतानंद एवं टीम कैप्टन होशियार सिंह सांगवान की अध्यक्षता में हुआ। मंच संचालन ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु व मास्टर रघुबीर भेरा ने किया। गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोदारा ने कहा कि टिकाऊ खेती प्रशिक्षण केंद्र एवं वैदिक पैथी प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया, जिसके तहत बेरोजगारी-बीमारी उन्मूलन अभियान के तहत बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़कर किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने का कार्य किया जाएगा। ढुल खाप के प्रधान हरपाल ढुल, मोर्चा के संयोजक मनोज सहरावत, किसान नेता विरेंद्र हुड्डा, युवा किसान नेता युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा, उत्तर प्रदेश से अधिवक्ता रमनिवास यादव, दिल्ली से महाबीर, हर्ष छिकारा, पुनिया

बारिश ने खोली प्रशासन की पोल

- सेक्टर-13 में सीवरेज की सफाई व बरसाती पानी की निकासी ना होने के कारण जलभराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। शहर के एक बाहरी कॉलोनी में जमा बारिश का पानी व सेक्टर में जमा बारिश का पानी। *फोटो : हरिभूमि*

सेक्टर-13 में सीवरेज की सफाई ना होने व बरसाती पानी की निकासी ना होने के चलते सैक्टरवासी खासे परेशान है तथा यहां पर जरा सी बारिश होते ही बारिश का पानी सडक़ो पर जमा होना शुरू हो जाता है, जो कि सैक्टरवासियों की परेशानियां गुणात्मक रूप से बढ़ाने का काम करता है।

वीरवार को सुबह आई बारिश सैक्टर-13 के लिए परेशानियां लेकर आई तथा बारिश के कारण यहां पर जलभराव की स्थिति बन गई। इनके अलावा अंदरूनी शहर में भी अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी रही। लोग बारिश के जमा पानी से होकर ही गंत्तव्य तक पहुंचे।दोपहर बाद बारिश के पान की निकासी हुई तो लोगों को राहत मिली। लोगों ने बताया कि पानी की निकासी न होने से अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ी है। दा भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रामकिशन ने बताया कि सैक्टर-13 के मकान नंबर 2089 के पास सीवर का गंदा पानी वर्षा होते ही सड़क पर बहने लग जाता है, जिससे पूरा क्षेत्र दुर्गंध भरा हो जाता है। जिसके कारण सैक्टरवासी खासे परेशान है कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को समाधान की मांग कर चुके है, लेकिन अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रें रही। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी की निकासी की मांग को लेकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा यहां की सड़कें तारकोल की बजाए सीमेंट की बनवाई गई थी।

फसलों में होगा बारिश का जबरदस्त फायदा

रात करीब 3 बजे के आसपास अचानक आसमान में बादलों की गड़गड़ाहट के साथ पानी बरसने लगा। हालांकि रात को तेज बारिश नहीं हुई,लेकिन बीच बीच में बारिश कभी तेज तो कभी हलकी बूंदाबांदी में तब्दील रही। हलकी बारिश का सिलसिला सुबह नौ बजे तक चलता रहा। उसके बाद आसमान से बादल छंटने लगे और सूर्यदेव ने अपनी तपिश बिखेरनी आरंभ कर दी। इस दौरान धीमी गति से हवा भी बहने लगी। पूरे दिन चटक धूप खिली रही। गुरुवार को हुई बारिश से फसलों में फायदा होगा। क्योंकि इस वक्त फसलों को सिंचाई की जरूरत थी। वह बारिश ने पूरी कर दी।

नपा में संदीप गर्ग ने संभाला कार्यभार बोले-विकास कार्यों की गति करेंगे तेज

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका में सचिव संदीप गर्ग ने कार्यभार संभाल लिया उनके आगमन एवं पद ग्रहण करने पर नगर पालिका बवानी खेड़ा के प्रधान सुंदर अत्री ने स्वागत किया। सचिव संदीप गर्ग ने पद ग्रहण करने पश्चात अपने पहले वक्तव्य में कहा कि हमारी प्राथमिकता बवानी खेड़ा कस्बे के विकास कार्यों को करवाना रहेगा। प्रधान नगर पालिका सुंदर अत्री ने सचिव संदीप गर्ग का स्वागत करते हुए कहा कि सचिव का पूर्व में भी सराहनीय कार्यकाल रहा है और हम मिल कर नगर पालिका द्वारा विकास कार्यों को तीव्र गति से पटरी पर लाने का काम करेंगे। हालांकि संदीप गर्ग ने नपा बवानी खेड़ा में पहले भी काफी समय तक सेवाएं दी ओर इनका स्थानांतरण उकलाना हो गया। बवानी खेड़ा रहते इन्होंने सफाई व्यवस्था, कब्जाधारियों पर सख्त कार्यवाही करना, विकास कार्यों को गति दिलवाने आदि कार्यों पर अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने बताया कि अब कार्य ग्रहण किया है चेयरमैन व पार्षदों संग मिलकर शहर के विकास को लेकर योजना बनाई जाएगी व विकास कार्य करवाने का कार्य किया जाएगा।

शहीदों की याद को चिरस्थायी बनाएगा स्मारक : ईटीओ सुमन

सिरसी रोड पर शहीद स्मारक स्थल की नींव रखी

- ईटीओ सुमन देवी ने उपस्थितजनों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

बहल। शहीद स्मारक स्थापना समारोह में नींव रखते हुए वीरांगना सुमन देवी। *फोटो : हरिभूमि*

भूतपूर्व सैनिक कष्ट निवारण समिति के तत्वावधान में कस्बे के सिरसी रोड पर शहीद स्मारक स्थल की नींव रखी गई। स्मारक की नींव शौर्य चक्र से सम्मानित शहीद नायक सूबेदार सोमबीर कादियान की पत्नी ईटीओ सुमन देवी ने रखी।

उपस्थितजनों ने कहा कि यह स्मारक क्षेत्र में जहां शहीदों की शहादत की याद दिलाएगा वहीं युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा देगा। वीरवार को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कप्तान सोहनलाल हरियावास ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, मातृभूमि की रक्षा के शहादत देने वाले शहीदों के परिवारजनों के अलावा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने शिरकत की। वैदिक मंत्रोचारण के बीच बहल क्षेत्र के मिठी गांव के शहीद नायक सूबेदार सोमबीर कादयान की पत्नी आबकारी विभाग में ईटीओ सुमन देवी ने शहीद स्मारक की नींव रखी। वक्ताओं ने कहा कि यह स्मारक अपने आप में विशेष स्मारक होगा।

छह महीने में होगा निर्माण

शहीद स्मारक समिति ने शहीद स्मारक के लिए एक एकड़ जगह दिए जाने के लिए बहल ग्राम पंचायत का आभार जताया और कहा कि पंचायत ने यह नेक काम कर शहीदों का सम्मान किया है। समिति सदस्यों ने बताया कि शहीद स्मारक का निर्माण छह महीने की अवधि में पूरा कर लिया जाएगा। स्मारक का शिलान्यास पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने किया था। इस अवसर पर कै. सोहनलाल, कर्नल ब्रह्म साहब बिधनोई, सज्जन फौजी बिधनोई, सूबेदार मेवासिंह, सूबेदार मांगेराम नूनसर, सूबेदार रामकरण मोडासिया, सूबेदार सतबीर गोपालवास, हवलदार रोहताश गोकलपुरा, वाइस चेयरमैन प्रमिला मान, सरपंच साधूराम, पूर्व सरपंच गजानंद, सुशील केडिया, दयानंद चैहडिया, राजकुमार शर्मा, पूर्व मंडल प्रधान सुनील शर्मा, पवन शर्मा सुरपुरा, महेन्द्र सोनी आदि मौजूद रहे।

टूरिस्ट स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

हमारे देश में ऐसे कई गार्डन हैं, जो अपनी नायाब खूबसूरती के लिए मशहूर हैं। इन गार्डंस में जो भी जाता है, यहां की खूबसूरती देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता है। जानो, देश के इन अमेजिंग गार्डंस के बारे में कि ये किन विशेषताओं के कारण मशहूर हैं।

अमेजिंग-अट्रैक्टिव गार्डंस

मुगल गार्डन श्रीनगर

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में स्थित इस गार्डन को 17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट जहांगीर ने बनवाया था। संपूर्ण मुगल गार्डन में शालीमार गार्डन, चश्म-ए-शाही,

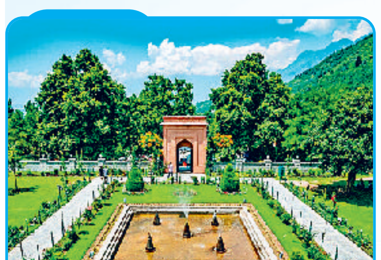

निशात बाग जैसे कई खूबसूरत गार्डंस हैं। मुगल गार्डन अपने आश्चर्यजनक आर्किटेक्ट, फूलों की क्यारियों और पास बहने वाली डल झील के लिए मशहूर है। मुगल गार्डन में शालीमार बाग सबसे बड़ा और लोकप्रिय गार्डन है। यह फारसी और मुगल शैली में बना एक बेहतरीन पहाड़ी गार्डन है। इसमें 4 सीढ़ीदार लॉन हैं, जिसमें सबसे ऊपरी लॉन केवल मुगल शासकों और उनकी रानियों के लिए बनाया गया था। यहां अलग-अलग डिजाइन के फव्वारे भी बनाए गए हैं, जो गार्डन की खूबसूरती को बढ़ाते हैं। निशात बाग पारंपरिक शैली में बना दूसरा बड़ा मुगल गार्डन है। यह श्रीनगर से 11 किलोमीटर दूर डल झील के पूर्वी हिस्से पर बना हुआ है। इस गार्डन से तुम डल झील की खूबसूरती को भी निहार सकते हो। इस सीढ़ीदार गार्डन के एक तरफ झील और दूसरी तरफ हिमालय की चोटी दिखाई पड़ती है।

बॉटेनिकल गार्डन कोलकाता

कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन की स्थापना 1787 में रोबोट किड द्वारा की गई थी। यह गार्डन 109 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसकी देख-रेख बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा की जाती है। इस गार्डन की सबसे खास बात यह है कि यहां लोगों को दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़ देखने को मिलता है, जिसकी चौड़ाई 330 मीटर से अधिक है।

रॉक गार्डन चंडीगढ़

यह गार्डन चंडीगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इसका निर्माण नेक चंद सैनी ने करवाया था, इसीलिए इसे 'नेक चंद सैनी गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है। रॉक गार्डन किसी भूल-भुलैया जैसा है। इस गार्डन की खासियत है कि इसे पूरी तरह से शहरी और औद्योगिक कचरे के स्क्रैप, जैसे- टूटे-फूटे कांच, पुरानी चूड़ियां, टाइल्स, क्रॉकरी, मार्बल्स आदि को रिसाइकल करके बनाया गया है। यह गार्डन ईको-टूरिज्म का बेहतरीन उदाहरण है।

बृंदावन गार्डन मैसूर

यह मैसूर से 20 किमी दूर कावेरी नदी में बने कृष्णराज सागर डैम के पास बना है। यह गार्डन इतना बड़ा है कि इसमें 20 लाख से भी ज्यादा लोग एक साथ घूम सकते हैं। इस गार्डन को कश्मीर के शालीमार गार्डन की तरह मुगल स्टाइल और आधुनिक बागवानी तकनीक के तालमेल से बनाया गया है। यह अपने आइसोमीट्रिक डिजाइन, सीढ़ीदार बगीचों

और लाइट से जगमगाते म्यूजिकल फव्वारों की खूबसूरती के लिए मशहूर है, जो रात में एक जादुई माहौल बनाते हैं।

बॉटेनिकल गार्डन ऊटी

यह भारत के सबसे बड़े बॉटेनिकल गार्डन में से एक है। 1848 में बनाया गया यह बॉटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मिलती हैं। यहां 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म संजो कर रखा गया है। इस गार्डन में 2000 से भी अधिक विदेशी प्रजाति के पेड़-पौधे हैं। गार्डन में बनी छतरीनुमा बैठने की जगह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, जो उन्हें कुछ पल वहां रुकने के लिए मजबूर कर देती हैं। हर साल मई के महीने में यहां समर फेस्टिवल मनाया जाता है। इस गार्डन का खास आकर्षण फ्लॉवर शो है। इस गार्डन की देख-रेख तमिलनाडु सरकार का हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट करता है।

हैंगिंग गार्डन मुंबई

यह गार्डन मालाबार हिल के पश्चिमी छोर पर कमला नेहरू पार्क के बगल में स्थित एक टेरेस गार्डन है। इसका निर्माण साल 1881 में उल्हास घाटकोपर द्वारा करवाया गया था। आज यह मुंबई के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इसे 'फिरोजशाह मेहता गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है। इस गार्डन का प्रमुख आकर्षण 'ओल्ड

लेडी शू' है। शाम के समय इस पार्क में अरब सागर पर सूर्यास्त का नजारा देखते ही बनता है, जिसे देखने के लिए यहां पर्यटकों का तांता-सा लगा रहता है। *

एस्टिवेशन के जरिए अपने आपको भीषण गर्मी से बचाते हैं कुछ जंतु

बच्चो, कई जंतु गर्मी के मौसम में अपने आपको बहुत शिथिल और निष्क्रिय कर लेते हैं। ऐसा करके वे प्रतिकूल मौसम में अपने आपको बचाते हैं। इस प्रक्रिया को एस्टिवेशन या ग्रीष्म निष्क्रियता कहते हैं। जानो, क्या है एस्टिवेशन और इससे इन जंतुओं को क्या लाभ मिलता है?

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, गर्मी के मौसम में अगर तुम कभी जू गए हो, तो तुमने घड़ियाल को दलदल-कीचड़ में, जलाशय के पास मुंह फाड़े आलस्य की अवस्था में पड़े देखा होगा। काफी देर तक उसके शरीर में कोई हलचल नहीं होती। घड़ियाल को इस अवस्था में देखकर यह संदेह होता है कि कहीं वह मर तो नहीं गया? या फिर यह पत्थर की बनी घड़ियाल की आकृति तो नहीं है? दरअसल, गर्मी के मौसम में घड़ियाल एस्टिवेशन की प्रक्रिया से गुजर रहा होता है।

क्या है एस्टिवेशन: गर्मी के महीनों में बहुत-से जंतु अपनी शारीरिक गतिविधि धीमी या बंद कर

देते हैं। इस दौरान वे बिल्कुल शिथिल होकर किसी छायादार, जलमग्न या ठंडी जगह पर पड़े रहते हैं या सोए रहते हैं। ऐसा वे खुद को रिलैक्स करने और ऊर्जा बचाने के लिए करते हैं। इस पूरी

प्रक्रिया को एस्टिवेशन या ग्रीष्म निष्क्रियता कहते हैं।

क्यों करते हैं एस्टिवेशन: कुछ जंतु एस्टिवेशन इसलिए करते हैं ताकि भयंकर गर्मी में खुद को सुरक्षित रख सकें। एस्टिवेशन की प्रक्रिया के दौरान जंतु के शरीर में कई तरह के परिवर्तन भी होते हैं। ज्यादातर जंतुओं में मेटाबॉलिक दर कम हो जाती है। हार्ट बीट और ब्रीदिंग भी काफी धीमी हो जाती है। एस्टिवेशन गर्मी के मौसम में जानवरों को डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

कौन से जंतु करते हैं एस्टिवेशन: एस्टिवेशन वर्टिब्रेट्स (कशेरुकी यानी रीढ़ की हड्डी वाले) और इनवर्टिब्रेट्स (अकशेरुकी यानी बिना रीढ़ की हड्डी वाले) दोनों प्रकार के जंतु करते हैं। ये जलीय, स्थलीय या उभयचर हो सकते हैं। घड़ियाल, कछुआ, मेंढक, सांप की कई प्रजातियां, लंग फिश, लेडी बीटल, मच्छर, हनी एंट, पतंगे, केंचुए, घोंघे, केकड़े जैसे कई जंतु गर्मी के मौसम में एस्टिवेशन करते हैं। *

हमिंग बर्ड, ड्वार्फ लेमुर भी करते हैं एस्टिवेशन

पक्षियों में हमिंग बर्ड भी एस्टिवेशन करता है। दरअसल, हमिंग बर्ड में मेटाबॉलिज्म (चयापचय) बहुत तेजी से होता है, जिसके लिए उसे अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। गर्मी के मौसम में जब हमिंग बर्ड को कम भोजन मिलता है, तो वह कुछ समय के लिए एस्टिवेशन में चला जाता है ताकि वह अपनी ऊर्जा बचा सके। इसी तरह ड्वार्फ लेमूर भी गर्म और शुष्क मौसम में खुद को जीवित रखने के लिए एस्टिवेशन का सहारा लेता है। ड्वार्फ लेमूर तो कई बार सात महीने तक एस्टिवेशन में रहता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गुदगुदाती-सिखाती कहानियां

बच्चो, हाल में ही दस मजेदार कहानियों की किताब 'बादल रोने लगा' छपकर आई है। इस किताब के लेखक प्रसिद्ध बाल-साहित्यकार संजीव जायसवाल 'संजय' हैं। किताब की लगभग सारी कहानियां ऐसी हैं, जिन्हें पढ़ने में तुमको मजा तो आएगा ही, बुरी आदतों से दूर रहने की सीख भी मिलेगी। पहली कहानी 'पिंटू आइस पार्लर' में चालाक जंबो हाथी को जंगल के मंत्री भालू दादा कैसे सबक सिखाते हैं, यह पढ़ सकते हो। 'बादल रोने लगा' एक भोले-भाले बादल के टुकड़े की प्यारी सी कहानी है। खेती करने के लिए हल और बैल में से किसान के लिए क्या अधिक महत्वपूर्ण होता है, इसका जवाब तुम 'हल और बैल' कहानी में जान सकते हो। कुछ इसी तरह सिलाई करने वाली सूई के घमंड का क्या परिणाम होता है, इसे 'नाली में सूई' कहानी में पढ़ सकते हो। खुद को दूसरे से श्रेष्ठ मानने वाली सब्जियों के आपसी विवाद की मजेदार कहानी 'सब्जियों का राजा कौन' है। चुन्नी नाम की गिलहरी को अपनी नासमझी का क्या परिणाम भुगतना पड़ता है, इसे गुदगुदाने वाली कहानी 'कटहल ने दौड़ाया' में पढ़ सकते हो। इसी तरह 'जलेबी और समोसा' कहानी पढ़कर भी तुमको मजा आएगा। इसमें एक ऐसे लापरवाह मिठाई वाले का किस्सा है, जो साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखता है। उसकी दुकान में रखे समोसे और जलेबी की बातचीत बहुत रोचक है। इनके अलावा 'शरारतों के उस्ताद', 'टीटू तुम फिर आना' और 'बात समझ में आ गई' कहानियां पढ़ने में भी तुमको खूब मजा आएगा। *

किताब : बादल रोने लगा, **लेखक :** संजीव जायसवाल 'संजय', **मूल्य :** 260 रुपए, **प्रकाशक :** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

कहानी
मोहम्मद अरशद खान

कल ही हमने पर्यावरण दिवस मनाया है। पेड़-पौधे हमारे जीवन में ही नहीं, हर जीव जंतु के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, यह कहानी यही बता रही है। अप्पू ने अपने घर के लॉन में लगे एक घने, विशाल पेड़ को जिद करके कटवाना चाहा तो हाहाकार-सा मच गया। क्या अप्पू को पेड़ काटने का इरादा छोड़ना पड़ा?

अप्पू और पेड़

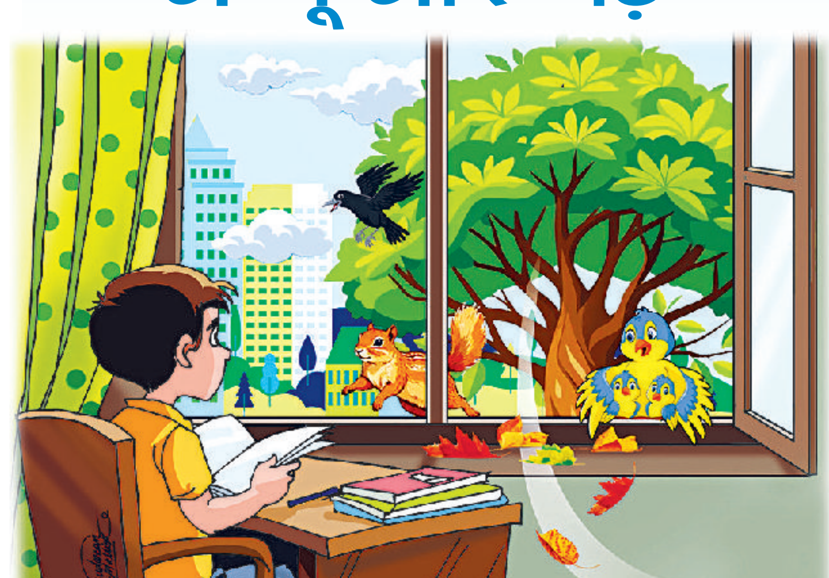

अप्पू के लॉन में एक पेड़ था। पेड़ पर कौए दिन भर शोर मचाते रहते थे। बंदर भी खूब उछल-कूद करते। हवा चलती तो कमरे में ढेर सारी सूखी पत्तियां भर जातीं। अप्पू को इन चीजों से बड़ी उलझन होती। एक दिन अप्पू ने परेशान होकर पापा से कहा कि पेड़ कटवा दें। पापा ने उसे बहुत समझाया लेकिन वह नहीं माना। आखिरकार उसकी जिद पर पापा पेड़ कटवाने पर राजी हो गए।

अगले दिन अप्पू हमेशा की तरह अपने कमरे में बैठा पढ़ रहा था। अचानक खिड़की पर 'चीं-चीं' की आवाज सुनाई दी। उसने देखा एक चिड़िया अपने दो बच्चों के साथ बैठी उसकी ओर देख रही थी। उसका चेहरा उदासी से लटका हुआ था।

'तुम्हें क्या हुआ नन्ही चिड़िया?' अप्पू ने पूछा।

चिड़िया ने बताया, 'अप्पू, मैं तुम्हें अलविदा कहने आई हूं।' अप्पू चिड़िया की बात सुनकर हैरान रह गया।

'सुना है यह पेड़ कटने जा रहा है। अब नए घर की तलाश में मुझे कहीं और जाना होगा। मेरे बच्चे अभी छोटे हैं। वे लंबी उड़ान नहीं भर सकते। रास्ते में चील-कौओं का भी खतरा रहेगा। इसलिए मैं बहुत परेशान हूं।' चिड़िया यह कह कर दुःख से चेहरा लटकाए चली गई।

अप्पू चिड़िया को पुकारना ही चाहता था कि तभी एक गिलहरी खिड़की पर चढ़ आई। उसका चेहरा भी उतरा हुआ था। वह दुखी स्वर में बोली, 'यह पेड़ मुझे बहुत प्यारा था। मैं इसकी गोद में खेल-कूदकर बड़ी हुई हूं। इसे छोड़ते हुए बहुत दुख हो रहा है, लेकिन जब यह पेड़ ही नहीं रहेगा तो मैं यहां रह कर क्या करूंगी?' गिलहरी उदासी से मुंह लटकाए चली गई। अप्पू उसकी हिलती हुई पूंछ तब तक देखता रहा, जब तक वह लॉन की दीवार से नीचे नहीं उतर गई।

तभी अप्पू की नजर लाइन बना कर जाती हुई चींटियों पर पड़ी। वे हड़बड़ी में थीं, अपने अंडे उठा कर भागी जा रही थीं। 'तुम सब कहां भागी जा रही हो?' अप्पू ने चींटियों से पूछा। 'इस पेड़ की जड़ों में हमारी बांबी थी, लेकिन अब यह पेड़ कटने वाला है, इसलिए हम लोग यह जगह छोड़कर जा रही हैं।' कहते हुए चींटियों का झुंड आगे बढ़ गया।

तभी खिड़की के पल्लों को खटखटाती हुई ठंडी हवा अंदर आई। अप्पू को बहुत अच्छा लगा। उसने कहा, 'धन्यवाद हवा, तुम्हारी वजह से हमें कितनी राहत मिलती है।'

हवा बोली, 'लेकिन अप्पू, मैं यह कहने आई हूं कि आज के बाद से मैं इधर नहीं आया करूंगी। पेड़ से मेरी दोस्ती थी। उसकी वजह से मैं इधर खिंची चली आती थी, लेकिन अब मेरा आना इधर नहीं हो पाएगा। अब यहां मेरी छोटी बहन गर्म हवा आया करेगी।' हवा की बात सुनकर अप्पू एकदम घबरा गया।

हवा के जाते ही बादल का एक टुकड़ा खिड़की पर आकर टिक गया और बोला, 'मैं भी तुम्हें अलविदा कहने आया हूं, अप्पू। पेड़ जब गर्मी से परेशान हो जाता था तो वह हवाओं से संदेश भिजवाता था। मैं आकर गर्मी से तप रही धूल सनी पत्तियों को अपनी फुहारों से धो देता था। फिर हम दोनों मिल कर खूब बातें करते थे। अब उसके बिना यहां आकर मैं क्या करूंगा?' इतना कह कर बादल आसमान में ऊपर उठ गया और धीरे-धीरे गायब हो गया।

अप्पू ने देखा फूल, रंग, खुशबू सब धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। वह यह सब देखकर डर गया। वह चीख पड़ा, 'नहीं-नहीं यह पेड़ नहीं कटेगा ..पेड़ नहीं कटेगा... मम्मी...! पापा...!'

'क्या हुआ अप्पू? नींद में क्या बड़बड़ा रहे हो?' मम्मी अप्पू को जगाती हुई बोलीं। दरअसल, अप्पू पढ़ते-पढ़ते मेज पर ही सिर रख कर सो गया था।

'अच्छा, तो यह केवल एक सपना था!' अप्पू ने चैन की सांस ली और माथे का पसीना पोंछने लगा। उसने खिड़की से बाहर झांक कर देखा। पेड़ की पत्तियां धूप में चमक रही थीं। वह पेड़ हवाओं के साथ सुर में सुर मिला कर गा रहा था। अप्पू भाग कर बाहर आया और उसने पेड़ को अपनी बांहों में भर लिया। अप्पू ने मन ही मन तय कर लिया था कि वह पापा से कह देगा कि अब इस पेड़ को नहीं कटवाएं। *

कविता
राकेश चक्र

कुल्फी लगे बड़ी कमाल

उमस, गर्मी से बेहाल।
ताजा नीर करे निहाल।।
घूंट-घूंट से बुझे प्यास है।
घड़ा, सुराही नीर स्वाद है।
कुल्फी लगे बड़ी कमाल।।
चिप-चिप-चिप-चिप बहे पसीना।
जून-जुलाई तपे महीना।
कहीं भरे सरोवर ताल।।
कहीं बाढ़ से मची तबाही।
ग्लोबल वार्मिंग दौड़ी आई।
एसी, वाहन मायाजाल।।
हमें प्रदूषण कम करना है।
पौध रोप खुशियां भरना है।
तब तपन का आए काल।।

जीके क्विज-156

1. मिस वर्ल्ड-2025 का खिताब किसने जीता?
2. किस टीम ने आइपीएल-2025 की ट्रॉफी जीती?
3. भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम का नया कप्तान किसे चुना गया है?
4. भारत की पहली महिला मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थीं?
5. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?
6. स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री कौन थे?
7. भारत का सबसे छोटा राज्य कौन-सा है?
8. किस देश को पछाड़कर भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी वाला देश बन गया है?
9. न्यूजीलैंड की राजधानी कहां है?
10. ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने के लिए मुख्य रूप से कौन-सी गैस जिम्मेदार है?

बच्चो, जीके क्विज-155 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-155 का उत्तर : 1.अनीता आनंद, 2.बानू मुश्ताक, 3.यूएसएस नाटलिस, 4.संजय मल्होत्रा, 5.कर्नाटक, 6.इटली, 7.पृथ्वीराज चौहान, 8.लैक्टोवेसिलस, 9.मैंगीफेरा इंडिका, 10. 5 जून

जीके क्विज-155 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कोमल-रायपुर, जयंत-बिलासपुर, हर्षित- दुर्ग, दिव्या-बलौदा बाजार, संकेत-महासमुंद, कुंदन-भोपाल, आकाश-रायगढ़, शिवम-मटियारी, चिराग-रोहतक, सचिन-महेंद्रगढ़

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में टीना अपने लवली डॉगी के साथ खड़ी है। एक जैसे दिखने वाले इन दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। फटाफट सारे अंतर बताओ।

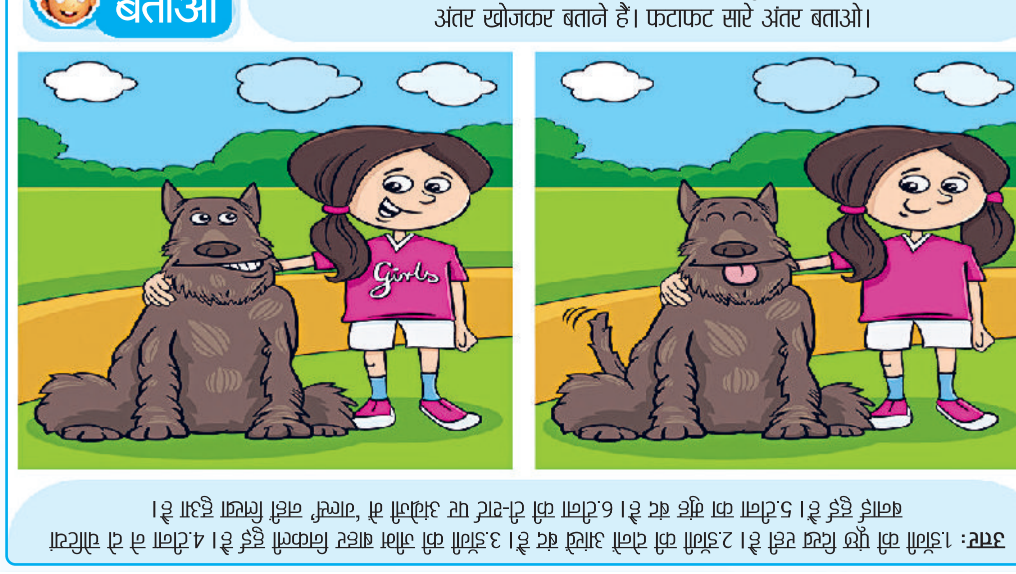

उत्तर: 1.डॉगी की पूंछ दिख रही है। 2.डॉगी की दोनों आंखें बंद हैं। 3.डॉगी की जीभ बाहर निकली हुई है। 4.टीना ने दो चोटियां बनाई हुई है। 5.टीना का मुंह बंद है। 6.टीना की टी-शर्ट पर अंग्रेजी में 'गर्ल्स' नहीं लिखा हुआ है।

चित्र पूरा करो

बच्चो, यहां पेड़ से फल तोड़ती हुई एक लड़की का चित्र दिया गया है। इस चित्र का एक हिस्सा कटा हुआ है। चित्र के बगल में दिए गए तीन ऑप्शंस में से तुम सही कटआउट को खाली जगह पर लगाकर चित्र पूरा करो।

उत्तर : A

खबर संक्षेप

रजिस्ट्रेशन एवं फर्जी वेबसाइट से रहें सतर्क

चरखी दादरी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ब्यान जारी किया गया है कि आयोग के संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सीईटी पोर्टल की एक फर्जी वेबसाइट तैयार की गई है। यह फर्जी पोर्टल लिंक के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इस लिंग से सभी अभ्यार्थियों को सर्तक रहने की जरूरत है। आयोग ने सभी अभ्यार्थियों को सचेत किया है।

जेवली रोड पर भरा पानी आवागमन में परेशानी

बाढड़ा। कस्बे में ब्रहस्पतिवार सुबह को हुई बरसात से कस्बे के जुई रोड व जेवली रोड पर बरसाती पानी भर गया जिससे लोगों को आवागमन में काफी दि1कतो का सामना करना पड़ा, वही लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण कस्बे के दुकानदारों को काफी दि1कतों का सामना करना पड़ता है। दुकानदारों का कहना है कि कस्बे में नालों का निर्माण नहीं हुआ है जिससे दुषित पानी या बरसाती पानी की निकासी का कोई उचित प्रबंध नहीं होने से कस्बे के दुकानदारों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

सुनील दहिया और मनदीप कांटिया ने लगाए 125 पौधे

तोशाम। समाजसेवी सुनील दहिया में मनदीप कांटिया ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के जन्म दिवस पर एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण अभियान के तहत तोशाम के एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन की मौजूदगी में 125 पौधे लगाए। इस दौरान मौजूद एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि प्रदुषण पर नियंत्रण का अधिक से अधिक पेड लगाकर उनका लालन-पालन करें, बस यही एक सीधा सा मार्ग है। डॉक्टर अशवीर नैन ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर उपमंडल के किरावड, डाडम, तोशाम सहित हर गांव में पौधारोपण अभियान चलाया।

आईटीआई में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में राजकीय आईटीआई भिवानी में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े ही उत्साह, जोश और सामाजिक जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशिक्षुओं, शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में समर्थ ग्रीन सोसाइटी से बालकिशन एवं श्रीपाल यादव मुख्य अतिथि और केके वर्मा, डॉ. मुक्ता व डॉ. सोनिया वर्मा ने बतौर विष्ठिं अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाने के साथ-साथ ट्री गार्ड, नवविकसित वृक्षों को संरक्षित करना, पक्षियों के लिए घोंसलों का निर्माण और गायों के लिए भोजन कंटेनर बनाकर चारा उपलब्ध करवाना चाहिए।

पौधरोपण से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए)द्वारा एक विशेष पौधारोपण महाभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं डीएलएसए के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.आर. चालिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार ने की। इस दौरान सीजेएम पवन कुमार ने पौधरोपण कर पौधे वितरित किए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए सामूहिक योग शिविरों का आयोजन

चरखी दादरी। ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला में सामूहिक योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। उपायुक्त मुनीश शर्मा के मार्गदर्शन में यह आयोजन ब्रह्मकुमारी आश्रम और लघु सचिवालय के पार्क में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभाग की ओर से पौधारोपण भी किया जा रहा है और साथ ही नागरिकों को पौधे वितरित भी किए जा रहे हैं।

75 साल और इसे ज्याद उम्र के पेड़ों की पूजा की

पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करती है प्राण वायु देवता स्कीम

अपने आसपास लगे पेड़ों की देखभाल कर उनका संरक्षण करें

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

प्राचीन भारतीय संस्कृति, वेद व पुराणों के अनुसार पेड़-पौधों में देवताओं का वास है और हम उनकी पूजा करते हैं। इसी कड़ी में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला में अनेक जगहों पर प्राण वायु देवता योजना में आने वाले 75 साल और इससे ऊपर के पेड़ों की पूजा कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

पेड़ों की पूजा का कार्यक्रम डीसी महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा करवाया गया। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण संरक्षण और बहुत अधिक लंबी आयु वाले पेड़ों की देखभाल को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा प्राण वायु देवता योजना शुरू की हुई है। यह योजना वन विभाग के तहत संचालित है। प्राण वायु देवता स्कीम में 75 साल और इससे अधिक आयु के पेड़ आते हैं। इन पेड़ों के मालिकों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन के तौर पर 3000 रुपए सालाना पेंशन दी जाती है ताकि नागरिक पेड़ों के महत्व को समझें और उनकी देखभाल कर सकें।

भिवानी। प्राण वायु देवता की पूजा करते हुए। फोटो: हरिभूमि

देखभाल के अभाव में नष्ट हो जाते हैं पौधे

डीसी कौशिक के मार्गदर्शन में जिला में वन विभाग द्वारा अनेक जगहों पर प्राण वायु देवता स्कीम में शामिल पेड़ों की पूजा करने का कार्यक्रम आयोजित करवाया गया। गांव गोलागढ़, ढाणी ब्राह्मनान, बारवास, चहड़ खुर्द, खेड़ा और बड़वा आदि गांवों में विभिन्न स्थानों पर वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, पेड़ों के मालिकों तथा अन्य ग्रामीणों ने इन पेड़ों की पूजा की। पेड़ों की पूजा के दौरान आमजन से आह्वान किया गया कि वे अपने आसपास लगे पेड़ों की देखभाल कर उनका संरक्षण करें। देखभाल के अभाव में अनेक ऐसे उपयोगी पेड़ या तो गिर जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं, जबकि उनको बचाया जा सकता है।

दी जाती है सालाना पेशंनः वत्स

वन मंडल अधिकारी डॉ राजेश वत्स ने बताया कि जिला में प्राण वायु देवता स्कीम में फिलहाल पीपल-बड़ आदि विभिन्न प्रजातियों के 208 पेड़ ऐसे हैं जो कि 75 साल से अधिक आयु के हैं। इनके मालिकों को सरकार द्वारा निर्धारित 3000 सालाना पेंशन दी जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति का 75 साल से अधिक उम्र का कोई पेड़ है तो वह इस योजना के तहत शामिल होने के लिए वन विभाग के कार्यालय में आकर सूचना दे सकता है। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राण वायु देवता में शामिल अधिक उम्र की आयु के पेड़ों की पूजा करवाने का मकसद लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा है। जिला उपायुक्त महाबीर कौशिक ने बताया कि प्राण वायु देवता स्कीम बहुत ही महत्वकांक्षी और उपयोगी योजना है। इस योजना के तहत 75 साल से अधिक आयु के पेड़ों के मालिकों को 3000 सालाना पेंशन दी जाती है। यह योजना लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है, जो बहुत जरूरी हैं। इसी के चलते जिला में अनेक जगहों पर प्राण वायु देवता स्कीम के पेड़ों की पूजा करवाई गई है।

भाविप ने किया पौधरोपण

- विधायक कपूर वाल्मीकि के बड़े भाई ने रामबाग में लगाया पौधा

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के रामबाग में भारत विकास परिषद के तत्वाधान में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के बड़े भाई मा. राजेश वाल्मीकि, जगदंबा महता, नंदलाल महता, सतीश सचदेवा, डॉ. बूटाराम, गुरबख्श, रामगोपाल सैनी, देवेन्द्र अत्री, महेन्द्र खुराना, प्रेम ओड, विशु, समीर, रमन, अनिल कुमार आदि द्वारा पहुंचकर विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया। पौधारोपण ''एक पौधा मां के नाम'' के तहत लगाया गया।

रामबाग में अर्जुन, अमरूद, जामुन, नीम, बड़, पीपल सहित अनेक प्रजातियों के पौधे लगाए। मौजूद सभी ने पौधों को गोद लिया व भविष्य में इनकी देखरेख करने का प्रण लिया। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के बड़े भाई मा. राजेश वाल्मीकि ने बताया कि कोरोना के समय हमें ऑक्सीजन की कीमत का पता चला। इसलिए हमें पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए समय समय पर पौधा रोपण करना चाहिए ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। वहीं जगदंबा महता ने बताया कि उन्होंने स्वयं अपने नाम का अर्जुन का पौधा लगाया और उसे सींचने का प्रण लिया है।

उन्होंने युवाओं से भी आग्रह किया कि वे पौधा लगाए और उसे समय समय पर पानी-खाद देकर सींचने का कार्य करे।

बवानीखेड़ा। रामबाग में भारत विकास परिषद के तत्वावधान में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के बड़े भाई मा. राजेश वाल्मीकि द्वारा पहुचंकर पौधारोपण करते हुए।

खरीफ फसलो की नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 का आयोजन गांव भुरटाना, किरावड़ और रतेरा में गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिकों, बागवानी, पशु पालन, पशु विज्ञान केंद्र, मत्स्य पालन विभागों के साथ मिलकर किया गया। विकसित कृषि संकल्प अभियान के मुख्य उद्देश्य खरीफ फसलो की नवीनतम तकनीकों, प्राकृतिक खेती की विधियों, फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित फसलों के चयन, संतुलित उर्वरकों के उपयोग और आधुनिक यंत्रों से स्मार्ट कृषि हैं। अभियान के आठवें दिन डॉक्टर मुरारी लाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ (बागवानी) ने फसल विविधीकरण के तहत बेर, अमरूद एवम् नींबू वर्गीय फलदार पौधों की खेती एवं समेकित कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

आयोजित शिविर में जानकारी देते हुए।

रक्तदान शिविर सात को दस बजे लगेगा

भिवानी। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर एसोसिएशन द्वारा सात जून को हांसी गेट स्थित चित्रकुट गेस्ट हाऊस में रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। एसोसिएशन के प्रधान अंकित महता, हरियाणा जोनल वाइस प्रेजीडेंट दीपक जांगड़ा ने बताया कि 7 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर कैंसर मरीजों की सहायता के लिए राष्ट्रीय कैंसर संस्थान बाढ़सा के सौजन्य से किया जाएगा। शिविर की अगुवाई शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा करेंगे, जिसमें मोबाइल रिटेलर्स द्वारा सामूहिक स्वैच्छिक रक्तदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में रक्त की डिमांड बढ़ जाती है।

पौधरोपण का संकल्प लिया

- शहीद-ए-आजम वीर उधमसिंह प्रदेश महासभा ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विश्व पर्यावरण दिवस पर डॉ. आंबेडकर फ्री डिजिटल लाईब्रेरी के बच्चों ने शहीद-ए-आजम वीर उधम सिंह प्रदेश महासभा हरियाणा के सानिध्य में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राजू मेहरा ने कहा कि प्लास्टिक का ज्यादा प्रयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, वहीं कम पेड़ पौधों का होना जीवनयापन में बड़ी बाधा है। मेहरा ने कहा कि सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन जीना है तो अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण करना चाहिए। मेहरा ने डॉ. आंबेडकर फ्री डिजिटल लाइब्रेरी के बच्चों रिंकू पूनिया, अंशिका, कमल, साहिल बंगालिया, हर्ष कुमार, विश्वास व यक्ष मेहरा की पर्यावरण के प्रति जागरूक सोच की तारीफ करते हुए पौधरोपण करने की नेक सोच की सराहना की। इस मौके पर लाईब्रेरी के होनहार छात्र छात्राओं ने पौधरोपण का संकल्प भी लिया।

सरल पोर्टल ने छुड़ाए पसीने, अटके काम

- दो-दो घंटे बैठने पश्चात भी साइट काम नहीं करता

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

सरल पोर्टल पर डोमिसाइल, जाति, आय, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अभ्यर्थियों के पसीने छूट रहे हैं। दो-दो घंटे बैठने पश्चात भी साइट काम नहीं करता। एकाध बार चले तो ओटीपी नहीं आता, ओटीपी आ जाए तो वेरीफाई नहीं होता जिसके कारण पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से ये साइट जवाब दे चुकी हैं। इसी को लेकर युवाओं ने अपने विचार सांझा किए।

स्पीड बढ़ाएं

गजेन्द्र कौशिक ने बताया कि विभाग को साइट पर फोकस करके इसी स्पीड बढ़ानी चाहिए ताकि इससे कोई वंचित न रहे और साइट में कोई इशू है तो आवेदनों की समय सीधा बढ़ानी चाहिए ताकि अभ्यर्थी इसका लाभ ले सके। क्योंकि परेशानी से कोई हल नहीं निकलता। वहीं उन्होंने बताया कि यदि साइट में कोई अपडेट किया जा रहा है तो जनता को इसके बारे में अवगत कराया जाए ताकि वे निश्चिंत रहें।

बढ़ी टेंशन

प्रवीण पाहवा ने बताया कि सीईटी आवेदन के लिए जहां जाति, आय आदि प्रमाण पत्रों की जरूरत है और अभ्यर्थी इसके लिए सीएससी सैंटरों के चक्कर काट रहे हैं वहीं उनकी टेंशन में परिजनों के भी पसीने छूट रहे हैं परिजन भी सीएससी सैंटरों पर जाकर सीएससी संचालकों को सलाह दे रहे हैं कि रात भर सैंटर पर जागकर उनके कागजात तैयार करवाएं लेकिन साइट है कि टस से मस नहीं होती।

बढ़ा बोझ

बलियाली निवासी प्रवीण पाल ने बताया कि सीईटी के लिए हजारों अभ्यर्थी कतार में है तो वहीं महाविद्यालय में भी दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है जिसके कारण साइट पर लोढ़ अधिक हो गया है। राष्ट्रीय सूचना केन्द्र ''एनआईसी'' के अधिकारियों को इस पर फोकस करना चाहिए। कुछ रोज पहले यही हाल बिजली निगम की साइट पर था और अब यही हाल सरल का हो गया है। काम करवाने वाले दिन-रात एक किए हुए हैं लेकिन साइट है कि चलने का नाम नहीं लेती जिससे सभी कार्य अटक गए हैं।

आज आयोजित होगी योग प्रतियोगिताएं

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को और अधिक उत्साह पूर्वक बनाने के लिए जिला के सभी खंड मुख्यालयों पर योग प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। इन योग प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग से महिला व पुरुष भाग ले सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं को आयोजित करवाने के लिए खेल विभाग, शिक्षा विभाग, आयुष विभाग व खेल विभाग को निर्देश दिए जा चुके हैं। प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला सहायक आयुर्वेद अधिकारी व नोडल अधिकारी डॉ. निशा ने बताया कि जिला के खंड भिवानी, बवानी खेड़ा, तोशाम, कैरू, सिवानी, बहल व लोहारू में खंड स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि आसन श्रृंखला में वृक्षासन चक्रासन, वक्रासन, पश्चिमोत्तान आसन, सरल नटराज आसन पर बच्चों की प्रतियोगिताएं होगी।

विभिन्न भाषाओं में फलों के नाम बताए

- भारतीय भाषा समर कैंप में कई गतिविधियों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारतीय भाषा समर कैंप के चौथे दिवस के आयोजन का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने किया। भारतीय भाषा समर कैंप की गतिविधियों के आयोजन का उद्देश्य छात्रों में क्षेत्रीय भाषाओं तथा तकनीक के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता, भाषा का गौरवान्वित इतिहास, व्याकरण संबंधी ज्ञान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला विविधता प्रोत्साहन के उद्देश्य से किया जा रहा है। समर कैंप के चौथे दिवस की गतिविधियों के अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं में फलों, सब्जियों ,मसालों तथा दूसरे राज्यों के व्यंजनों के जैसे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, कन्नड़, तथा बंगाली आदि नाम सिखाए गए। जिसमें विद्यार्थियों ने रुचि दिखाते हुए विभिन्न भाषाओं का ज्ञानार्जन किया। दूसरी ओर आज 5 जून के उपलक्ष्य पर श्विश्व पर्यावरण दिवसश बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय प्रांगण में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य ने पर्यावरण दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को मनाया जाता है जिसको मनाने की शुरुआत 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई, ताकि लोगों का ध्यान पर्यावरण की ओर आकर्षित किया जा सके। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य मानव सभ्यता को पर्यावरण मुद्दों के प्रति जागरूक करना है। यह दिन हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करता है और प्रकृति से जोड़ने का कार्य करता है। इस अवसर पर वरिष्ठ विभाग को-ऑर्डिनेटर योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक, प्रोमिला वर्मा, रीना जाखड़, मीनाक्षी आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। बीके वमावि में कार्यक्रम में उपस्थिजन। फोटो: हरिभूमि

अखिल भारतीय किसान सभा जनजागृति अभियान चलाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- अधिकारियों ने क्षेमा बीमा कंपनी के साथ मिलकर किसानों के साथ एक बड़ा घोटाला किया

अखिल भारतीय किसान सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक गांव ओबरा के सामुदायिक केंद्र में लोहारू तहसील प्रधान शीशराम व बहल प्रधान धनपत सूबेदार की अध्यक्षता में हुई। जिला की तरफ से जिला प्रधान रामपाल देशवाल व जिला सचिव मास्टर जगरोशन व कविता आर्य उपस्थित रहे। बैठक का प्रमुख एजेंडा क्रॉप कटिंग के अनुसार खरीफ फसल 2023 कपास का बीमा क्लेम भिवानी व दादरी का साढ़े चार सौ करोड़ रुपये बना, उस समय के प्रदेश के वित्त मंत्री बार-बार किसानों को विश्वास दिलाते थे कि आपको इस बार अच्छा बीमा दिलाएंगे और क्रॉप कटिंग के आधार पर एक सूची भी गांव वाइज प्रत्येक एकड़ कितना बीमा मिलेगा, यह भी जारी हुई थी। लेकिन चुनाव के एन वक्त सरकार के अधिकारियों ने क्षेमा बीमा कंपनी के साथ मिलकर किसानों के साथ एक बड़ा घोटाला किया। किसान सभा मांग करती है कि घोटाले की न्यायिक जांच की जाए और दोषियों को सजा मिले। बीमा कंपनी व सरकार की पोल खोलने के लिए किसान सभा ने 7 जून से लोहारू हलके के विभिन्न गांव में जनजागृति अभियान चलाने के लिए कमेटियों का गठन कर दिया है। सैटलाइट इमेजिंग के नाम पर 450 करोड़ बीमा क्लेम को 89 करोड़ कर दिया गया तो इससे किसानों को 311 करोड रुपए का नुकसान हुआ है। जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने बताया कि आज बुवाई का समय आ गया है।

पौधारोपण कर उनकी करे देखभाल:महादेव

बाढड़ा। जन मानस सहायता फाउंडेशन के संयोजक महादेव बलाली ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कर प्रकृति को हरा भरा बनाने और उसे संरक्षित करने का आह्वान किया ।

उन्होंने कहा कि शादी समारोह हो या जन्मदिवस हो या फिर कोई और मांगलिक कार्यक्रम में महान पुरुषों व देशभक्तों के जन्म उत्सव हो या बलिदान दिवस ,पर्यावरण दिवस हो या जल संरक्षण दिवस या फिर वन महोत्सव हर पहल के साथ धरा को हरा भरा रखने के उद्देश्य से पौधरोपण कर उनकी देखभाल भी करनी चाहिए।

यह बात समाज सेवी महादेव बलाली ने कहीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बगैर ऑ1सीजन के इंसान व पशु पक्षी जिंदा नहीं रह सकते। इसलिए अधिक से अधिक पेड़ पौधों की जरूरत है। कोरोना महामारी के दौरान हर इंसान को पता चल गया था कि पेड़ पौधों का 1या महत्व है।

भिवानी। ट्रायल में उपस्थित खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में हरियाणा टीम हुई चयनितः खरकिया

भिवानी। हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 18 से 22 जुन तक बिहार के नवादा शहर में आयोजित करवाई जाने वाली लड़कियों की 47वीं एचएफआई जुनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए वीरवार को ट्रायल प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। यह जानकारी देते हुए कोच विवेक खरकिया ने बताया कि वीरवार को जींद जिला के गांव दनोदा मे आयोजित करवाई गई इस ट्रायल में हरियाणा के प्रदेश के प्रत्येक जिला से खिलाडियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस चयन प्रक्रिया मे 75 के करीबन खिलाड़ी पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस ट्रायल में हरियाणा के लड़कियों की हैंडबॉल टीम का 47वीं एचएफआई जुनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया। उन्होंने बताया कि ट्रायल के दौरान 25 खिलाडियों का प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन किया गया। ट्रायल की चयन समिति में राजु नाथूवास, विजय कोटियां, सीमा चहल, राजु लितानी प्रवीण दनोदा रहे।

भक्ति, निर्भयता व धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता श्रीकृष्ण का बालरूपः

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुनाई

- 00000
- 00000

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम में सदगुरूदेव महाराज के आर्शीवाद तथा स्वामी कृष्णानंद महाराज के सान्निध्य में आयोजित साप्ताहिक 30वां वार्षिक महोत्सव के छठे दिन नाम सत्संग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रीश्री 1008 स्वामी भास्करानंद परमहंस की पुण्यस्मृति के उपलक्ष्य में स्वामी मदनमोहन अलंकार ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण और उनकी बाल लीलाओं की भावविभोर कर देने वाली कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

भिवानी। सत्संग में प्रवचन देते स्वामी मदनमोहन अलंकार व स्वामी कृष्णानंद महाराज। फोटो: हरिभूमि

भजनों की धुनों पर कई श्रद्धालु झूमते नजर

इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े अनेक भजनों का गायन किया, जिन पर श्रद्धालु जमकर झूमे तथा माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। स्वामी मदनमोहन अलंकार ने प्रवचन में बताया कि कैसे भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचार से त्रस्त धरती को मुक्त कराने के लिए श्रीवासुदेव-देवकी के घर जन्म लिया। उन्होंने बाल्यकाल की लीलाओं में पूतना वध, शकटासुर मर्दन और माखन चोरी जैसी घटनाओं को सरल भाषा में प्रस्तुत किया, जिससे भक्तजन भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान भजनों की धुनों पर कई श्रद्धालु झूमते नजर आए। स्वामी मदनमोहन अलंकार ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं हमें सिखाती हैं कि ईश्वर सदा अपने भक्तों की रक्षा करते हैं, चाहे वह किसी भी रूप में हो। स्वामी कृष्णानंद महाराज ने कहा कि आयोजन में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा के उत्कर्ष और जीवन के गूढ़ रहस्यों को सरल रूप में समझाने का माध्यम हैं। इन लीलाओं से श्रद्धालु प्रेम, भक्ति, निर्भयता और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा पाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अनेक संगठनों ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

पर्यावरण प्रदूषण से बढ़ रही अनेक बीमारियां, शुद्ध वायु व शुद्ध जल के लिए लगाए ज्यादा पौधें: वेदनाथ

- पर्यावरण असंतुलन के कारण बढ़ रहे बाढ़, भूकंप व बेमौसमी बारिश: सिंगल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

विश्व पर्यावरण दिवस पर धरा को हरा भरा बनाने के उद्देश्य को लेकर जेसीआई स्टार क्लब, श्रीशिव मंदिर जोगीवाला श्रीबाबा मेहूनाथ धर्मार्थ ट्रस्ट, नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति, सदाचारी शिक्षा समिति सहित अनेक संगठनों फल एवं छायादार पौधें लगाए। पौधरोपण अभियान का शुभारंभ जोगीवाला मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज के सानिध्य में जिला लोकसंपर्क एवं सूचना अधिकारी सुरेंद्र सिंगल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसीआई स्टार क्लब के प्रधान संदीप व कपिल शर्मा ने की। इस अवसर पर 25 पौधें लगाकर उनकी देखरेख की जिम्मेदारी ली गई।

डीआईपीआरओ सुरेंद्र सिंगल ने कहा कि पौधें बिना भेदभाव के सभी को समान रूप से ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है, पर्यावरण का संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि बगैर ऑक्सीजन के इंसान व पशु पक्षी जिंदा नहीं रह सकते, इसलिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधों की जरूरत है। कोविड के समय हर इंसान को पेड़ पौधों के महत्व का पता चल गया था, इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस पर हर व्यक्ति मां के नाम पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करें। उन्होंने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन के आह्वान पर जिले में लाखों पौधे लगाए जा रहे हैं। मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज ने कहा कि शुद्ध वायु और शुद्ध जल पर हमारा जीवन आधारित है, प्रकृति को सुरक्षा देने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधें लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि संत महात्माओं ने समय-समय पर पहाड़ों में जंगलों में तपस्या की और ऋषि मुनियों ने प्रकृति के संरक्षण के लिए हमेशा अपना त्याग और बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि वायुमंडल बदल रहा है,इसलिए हर इंसान को अधिक से अधिक पौधें लगाने चाहिए और उनका संरक्षण करना चाहिए, तभी हमें अच्छी शुद्ध हवा और अच्छी ऑक्सीजन प्राप्त होगी।

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करते जोगीवाला शिव मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज, डीआईपीआरओ सुरेंद्र सिंगल व अन्य।

जितना संभव हो प्लास्टिक के प्रयोग से बचें

हर घर हरियाली थीम 2025 अभियान के सूत्रधार एवं राष्ट्रपति अवार्डी अशोक कुमार भारद्वाज, राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी लक्ष्मण गौड़ व सावित्री यादव ने कहा कि शहर में अनेक प्रकार के पौधें लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया है। हमें प्लास्टिक का रिसाइकलिंग करना चाहिए और जितना संभव हो प्लास्टिक का प्रयोग कम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम व एक पेड़ बेटी के नाम पर लगाया जाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर पौधरोपण करवाया जाएगा। इस अवसर पर गोपालनाथ महाराज, गोपाल अग्रवाल, जेसी श्याम अग्रवाल, जेसी प्रवीण अग्रवाल, जेसी राजेश बंसल, जेसी मनोज सैनी, जेसी मनीष गुप्ता, जेसी अनिल बंसल आदि मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष पौधरोपण अभियान चलाया। अभियान का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद के निर्देशन व इको क्लब प्रभारी प्रोफेसर सीमा बुमरा की अध्यक्षता में हुआ। विश्व पर्यावरण दिवस पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं और स्टाफ सदस्यों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें पौधरोपण जैसे कार्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था। महाविद्यालय छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने पौधरोपण जैसे नेक कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. सविता, डॉ. परमानंद, प्रोफेसर नरेंद्र, अर्जुन, छात्राएं प्रिया, प्रियांशु व चंचल आदि मौजूद थे।

पौधरोपण कर मनाया किरण चौधरी का जन्मदिन

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सर्वसमाज एकता मंच के संयोजक अमित बापोड़ा ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के जन्मदिन और विश्व पर्यावरण दिवस पर भगवान वाल्मीकि मंदिर बापोड़ा में 11 फलदार एवं छायादार पौधें लगाए और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर मुख्यतिथि तोशाम हल्का संयोजक एडवोकेट हरिसिंह सांगवान ने बताया कि अपने घर में कोई भी सामाजिक प्रोग्राम हो एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं, पेड़ो की अंधाधुंध कटाई होने के कारण प्रकृति को बहुत नुकसान हो रहा हैं, ये बंद होना चाहिए। इस अवसर पर कैप्टन वेदप्रकाश अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष इमरान बापोड़ा, संजय सारसर, पूर्व बीडीसी मेंबर सुरेंद्र, इकबाल, मोहम्मद, भोलू मास्टर, पूर्व पंच प्रदीप, जयकिशन, भोलू, मोहित, सोमबीर, बबलू आदि रहे।

खिलाड़ियों ने 500 पौधें रोपित कर लिए पांच-पांच पौधें गोद

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के जन्मदिन पर गांव बापोड़ा में पौधरोपण अभियान चलाया एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने का कदम बढ़ाया। इस दौरान एसएम कबड्डी स्पोर्ट्स अकादमी के बच्चों ने सुभाष बापोड़ा के नेतृत्व में गांव में विभिन्न स्थानों पर करीबन 500 पौधें रोपित किए तथा खिलाड़ियों ने पांच-पांच पौधें गोद लेकर उनके संरक्षण का बीड़ा उठाया। सुभाष बापोड़ा ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए पौधरोपण से बढ़कर कोई उपाय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जन पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए पौधरोपण एवं उनका संरक्षण का संकल्प ले तो निश्चित तौर पर हवा में घुलते प्रदूषण के जहर पर नियंत्रण पाया जा सकता है। अभियान में युवावर्ग की विशेष भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि युवावर्ग को देश का भविष्य माना जाता है तथा युवा किसी भी कार्य को पूरी ऊर्जा के साथ करते है, ऐसे में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने के लिए युवावर्ग को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताना होगा।

डॉ. बीआर आंबेडकर यूथ संगठन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

भिवानी। डॉ. बीआर आंबेडकर यूथ संगठन ने बाबा रूपनाथ जनकल्याण सेवा समिति ने विश्व पर्यावरण दिवस व गांव ढाणी में 21 धुणी तपस्या पर बैठे बाबा भरतनाथ द्वारा आयोजित भंडारे व सत्संग समागम पर पौधरोपण का आयोजन किया। इस मौके पर यूथ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पवन मेहरा ने गांव बुढ़ाना ढाणी में चल रही 21 धुणी तपस्या पर पहुंचकर पौधरोपण किया। मेहरा ने बताया कि हमें अधिक से अधिक पौधे रोपित करने चाहिए, जिससे हमारी पृथ्वी में ऑक्सीजन की कमी न रहे। उन्होंने हरियाणा सरकार की स्कीम वन मित्र योजना से जुड़ने के लिए लोगों से अपील की। इस मौके पर गांव दिनोद के बाबा रूपनाथ के शिष्य बाबा राजेंद्रनाथ ने पवन के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर गांव ढाणीमाहू के सरपंच रणवीर बडासरा, मास्टर अनिल श्योराण आदि मौजूद रहे।

पौधें वितरित कर दिया जीवन का संदेश

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने जनस्वास्थ्य विभाग परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर पौधरोपण और पौधा वितरण किया। संस्था के पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला, मुकेश सैनी व पार्षद विनोद प्रजापति ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से अधिक से अधिक पौधें लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में औषधीय व छायादार पौधें लोगों को वितरित किए। उन्होंने बताया कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि सतत संकल्प है, जिसे प्रत्येक नागरिक को निभाना चाहिए। एक पौधा सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि जीवन देने वाला प्रहरी होता है। आज जो पौधे हम लगाते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों को सांस लेने का हक देंगे। हर व्यक्ति को किसी विशेष अवसर जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ, या पुण्यतिथि पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, ये छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव लाते हैं।

पीएमश्री स्कूल में एक पेड़ मां के नाम रोपित किए पौधें

भिवानी। इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0 के तहत वीरवार को गांव बजीणा स्थित पीएमश्री राजकीय वमा विद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। विद्यालय प्राचार्य अनूप सिंह पुनिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम मे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान ऋचा शर्मा ने रोपित किए पौधें के संरक्षण की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी मां के नाम एक पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव का संदेश दिया। प्राचार्य अनूप सिंह पूनिया ने कहा कि प्रकृति और माता दोनों जीवनदायिनी हैं। अभियान के माध्यम से हम बच्चों में पर्यावरण के प्रति प्रेम व जिम्मेदारी की भावना विकसित कर रहे हैं।

पर्यावरण बचेगा तो जीवन बचेगा

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में विश्व पर्यावरण दिवस व बीके किरण देवी के निमित भोग के संकल्प को लेकर संगोष्ठी का आयोजन सिद्धि धाम प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा की उपस्थिति में किया। इस दौरान पौधें वितरित किए एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बीके सुमित्रा बहन ने बताया कि पर्यावरण बचेगा तो जीवन बचेगा, हमें पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव निरंतर प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कर रहा है, जिसकारण पर्यावरण प्रदुषण निरंतर बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण से ही प्रकृति बनी है, इसकी रक्षा करना हमारा परमधर्म है। कार्यक्रम के दौरान कैप्टन रामशरण सिंह व बीके सुनीता को एक पौधा मां के नाम अभियान तक तहत पौधें वितरित किए।

सांगा स्कूल में विद्यार्थियों को बताया पौधों का महत्व

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस पर गांव सांगा स्थित राजकीय वमा विद्यालय में वीरवार को पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य अशोक कुमार पहल के नेतृत्व में किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया। इसके उपरांत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर उपस्थित सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण करने व उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का भी संकल्प दिलाया। प्राचार्य अशोक कुमार पहल ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक जन को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आज जितनी तेजी से पेड़-पौधों को काटा जा ता रहा है तथा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जा रहा है, उतनी तेजी से पौधों का रोपण नहीं किया जा रहा, जिसके दुष्परिणाम आज भुगतने पड़ रहे है।

सांसद किरण के जन्मदिन पर लगाए 51 पौधें

भिवानी। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के जन्मदिन पर वीरवार को महम गेट स्थित श्रीहरियाणा शेखावटी ब्रह्माचार्य संस्कृत महाविद्यालय में पौधरोपण अभियान चलाया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक सुनील शास्त्री के नेतृत्व में 51 पौधों का रोपण किया तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की मुहिम से जुड़कर इस दिशा में कार्य करने का संकल्प दिलवाया। कार्यक्रम संयोजक सुनील शास्त्री ने कहा कि आज दिखावे की दुनिया में आमतौर पर लोग बड़ी-बड़ी पार्टियां कर अपना जन्मदिन मनाते है, वहीं राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने अपने जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण के रूप मे मनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया, जिससे उनकी पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच झलकती है।

135 वर्ष पुराने बड़ की पूजा- कर मनाया पर्यावरण दिवस

भिवानी। गांव तिगड़ाना में वीरवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस मौके पर ग्रामीणों ने बाबा परमहंस बिचला मंदिर के पीछे 135 वर्ष पुराने बड़ के वृक्ष की पूजा-अर्चना की तथा सभी ग्रामीणों ने संकल्प लिया वे एक पेड़ अपनी मां के नाम पर जरूरत रोपित करेंगे। इस मौके पर सरपंच सुरेंद्र कुमार व वन विभाग प्रधान हंसराज ने कहा कि पर्यावरण मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, पर्यावरण संतुलित नहीं रह पाएगा तो मानव का जीवित रहना भी संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधें लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण स्वथ मानव जीवन का आधार है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई के कारण आज पर्यावरण का संतुलन निरंतर बिगड़ता जा रहा है, जिसके चलते रोजाना नई बीमारियां जन्म ले रही है।

बुजुर्गों की पुण्यतिथि पर करें पौधरोपण: सचिव

भिवानी। रेडक्रॉस भवन में उपायुक्त एवं रैडक्रॉस अध्यक्ष महावीर कौशिक के कुशल मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार ने पौधरोपण किया। सचिव प्रदीप ने बताया कि पर्यावरण सरंक्षण कितना जरूरी है, इसका अंदाजा बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, मौसम में असामान्य बदलाव और विलुप्त होते जानवरों और पक्षियों की संख्या से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सरंक्षित नहीं करने से धरती पर जीवन मुश्किल हो जाएगा, इसलिए हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। ये दिन पर्यावरण के सरंक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रकृति के साथ सन्तुलन बनाकर रहने के लिए प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है।

पेड़-पौधें धरा के आभूषण: बीके वसुधा

भिवानी। पेड़-पौधें धरा के आभूषण है, पर्यावरण व जल संरक्षण के साथ इनमें औषधीय गुण भी समाएं हुए हैं, इसलिए इन्हें संभालकर रखना हम सभी का दायित्व है, ये उदगार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करते हुए सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम घर परिवार में रहते हुए एक दूसरे की संभाल करते हैं, सहयोग देते हैं कि ठीक हमें समझना चाहिए कि ये पेड़ पौधें भी हमारे परिवार के सदस्य हैं, उनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि एक पेड़ हमें लाखों रुपए की जीवनदायनी ऑक्सीजन फल फूल देता है, जिससे हम सभी सुख की सांस लेते वास्तव में ये पेड़ पौधें हम सभी के जीवन को खुशहाल आनंदमय बनाते हैं। ब्रह्माकुमारी नीलम बहन ने कहा कि हमें अपने व बच्चों के जन्मदिन पर एक पौधा लगाकर उसका पालन-पोषण करने का संकल्प लेना चाहिए, तभी हमारा पर्यावरण शुद्ध होगा।

पेड़ पौधों के बिना हमारा जीवन भी अधूरा

भिवानी। पेड़ों से ही हम सबको जीवन मिला है। बिना पेड़ पौधों के हमारा जीवन भी अधूरा है। पृथ्वी को हरा भरा करना है तो हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए यह बात विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्रांगण में पौधारोपण करते हुएं गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के लॉ विभाग के डीन प्रो राजीव कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए क्योंकि पौधारोपण पृथ्वी को बचाने का बेहतर माध्यम है। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के लॉ विभाग के डीन प्रो राजीव कुमार, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो संजय कुमार, असिस्टेंट रजिस्ट्रार देवेंद्र शर्मा, प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने शिरकत की।

वन विभाग जिले में लगाएगा तीन लाख पौधे

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक ने कहा कि अबकी बार जिला में वन विभाग द्वारा तीन लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से करीब एक लाख 65 हजार पौधे किसानों को खेतों में लगाने के लिए दिए जाएंगे, जिनमें क्लोन का सफेदे होंगे। जिला में लड़कियों के स्कूलों के लिए विशेष तौर पर सहजन के पौधे दिए जाएंगे, जिनके पत्तों और फलियों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। उन्होंने बताया कि पौधारोपण का मुख्य थीम एक पेड़ -मां के नाम है, जिसका द्वितीय चरण है। डीसी कौशिक वीरवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नई जिला कारगार परिसर में पौधारोपण करते हुए अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा जिला में पौधारोपण को लेकर कार्य योजना तैयार की जा रही हैं, जिसके चलते नर्सरी में पौधे तैयार किया जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा जल शक्ति अभियान के तहत किसानों, आमजन और सामाजिक संस्थाओं को पौधे वितरित किए जाएंगे।

भाविप की शहीद मदनलाल ढींगड़ा शाखा ने 21 औषधीय पौधें किए रोपित

भिवानी। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के चलते पर्यावरण को बर्बाद कर रहा है, जिसके चलते ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पैदा हो रही हैं, ये बात भारत विकास परिषद की शहीद मदनलाल ढींगड़ा शाखा के अध्यक्ष कमल नयन वशिष्ठ ने वीरवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर सैक्टर-13 के सामने स्थित ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण करते हुए कही। भाविप के प्रांतीय संयोजक अशोक कुमार शर्मा के नेतृत्व में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शाखा सदस्यों ने 21 औषधीय पौधों का रोपण किया। वशिष्ठ ने कहा कि पर्यावरण मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, यदि पर्यावरण संतुलित नहीं रह पाएगा तो मानव का जीवित रहना भी संभव नहीं रह पाएगा। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधें लगाने होंगे। इस अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार शर्मा, जिला समन्वयक डॉ. विक्रम सिंह, प्रिंस महता, राजेश अत्री, जगदीशचंद्र शर्मा, देवेंद्र अत्री, शिवपाल यादव, रामपाल माली आदि मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के जन्मदिन पर ईशरवाल मंडल में किए 10 पौधें रोपित

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान-2.0 के तहत विश्व पर्यावरण दिवस व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के नेतृत्व में वीरवार को भारतीय जनता पार्टी के ईशरवाल मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ईशरवाल, मिराण, ढ़ाणी मिराण, मंढ़ाण, सिंढ़ाण, भेरा, बुसान, रोढ़ा, झुल्ली व चनाना में 10 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर ईशरवाल मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला ने कहा कि प्रकृति पर ही पर्यावरण निर्भर करता है। गर्मी, सर्दी, वर्षा आदि सब प्रकृति के सन्तुलन पर निर्भर करते हैं। यदि प्रकृति समृद्ध एवं सन्तुलित होगी तो पर्यावरण भी अच्छा होगा और सभी मौसम भी समयानुकूल सन्तुलित रहेंगे। यदि प्रकृति असन्तुलित होगी तो पर्यावरण भी असन्तुलित होगा और अकाल, बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प आदि अनेक प्रकार की प्राकृतिक आपदायें कहर ढाने लगेंगी। प्राकृतिक आपदाओं से बचने और पर्यावरण को शुद्ध बनाये रखने के लिए पेड़ों का होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जन के सहयोग से पर्यावरण के बिगड़ते संतुलन को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि आज पर्यावरण प्रदूषण को कम करने की दिशा में कदम नहीं बढ़ाए गए तो आने वाली पीढियों को इसके भयावह परिणाम भुगतने पड़ेंगे।, इस अवसर पर रामबीर बुसान, अमित शर्मा मिराण, उदयभान मिराण, महेंद्र नंबरदार, जयप्रकाश हसान, अक्षय भारीवास, राजेश ढ़ाणी मिरान, भल्लेराम मिराण सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।